lUnHkZ xzUFk lwph

1. ब्राहमणोऽस्य मुखासीद् बाहु राजन्यः कृतः।
   उरूतदस्य यद्वै"यः पद्म्यां शूद्रोऽजायत।। ऋग्वेद
2. सहस्त्रा"ार्षा पुरूषः सहस्त्राक्षः एहस्त्रपात।
   पुरूष एवेदं सर्व यद्भूतं यच्च भव्यम्।। ऋग्वेद
3. अर्थ"ाास्त्र, 1.3 स्वधर्मो ब्राहमणस्ययनमध्यापनं यजनं प्रतिग्रह"चेति। मनु0 याज्ञ0, शंख0, गो0ध0 सू0, वो0ध0सू0 कृत्यकल्पतरू, समरांगणसूत्रधार, यजनाध्ययननेदानं याजनाध्यापनार्थिताः। ऋग्वेद
4. वृ0 उ0 तस्मात्क्षत्रात्परं नास्ति तस्माद्ब्राहमणः क्षत्रियमध्स्तादुपास्ते राजसूय क्षत्र एवं तद्"ाो दधाति सैषा क्षत्रस्य योनिर्यद्ब्रहम।
5. का0 सं0
6. रामायण
7. महाभारत
8. क्षत्रियस्यापि यो धर्मस्तं से व"यामि भारत।
   दद्याद् राजन् याचेत् यजेत, न च याजयेत्।।
   परिनिष्ठितकार्यस्तु नृपतिः परिपालनात्।
   कुर्यादन्यन्न वा कुर्यादेन्ट्रो राजन्य उच्यते।। रामायण
9. महाभारत, भीष्म पर्व
10. गो0 ध0 सू0
11. अर्थ"ाास्त्र
12. मनु0 स्म0
13. मज्झिम निकाय
14. दीघ निकाय, अंगुतर निकाय
15. जातक
16. ग्यारहवीं सदी का भारत
17. अर्थ"ाास्त्र वै"यस्यध्ययनं यजनं दानं।
18. गौ0 ध0 सू0 वै"यस्याधिकं कृषिवणिक्य पा"ाु पाल्य कुसीदम।
19. महाभारत, भीष्म पर्व, कृषि गो रक्षवाणिज्यं वै"यकर्म स्वभाव जम्।

20. मनु, प"ाूना रक्षणं दान भिज्याध्ययन मेघ च।
वाणिक्यथं कुसीदं च वै"यस्य कृषिमेव च।।
21. महाभारत, शांति पर्व, 'ाण्णामेकां पिवेद् धेनुं शताच्च मिथुनं हरेत्। लब्धाच्च सप्तम भागं तथा श्रृगे कला खुरे।। सस्यानां सर्वबीजानामेषा सांवत्सरी मृति।।
22. महावग्म
23. जातक
24. शाकुंतलम्
25. मालविकाग्नि मित्र
26. शाकुन्तलम्, समुद्रव्यनहारी सार्थवाह।
27. अनिधान चिन्तामणि, अर्यः भूमिस्प"ार्ा वै"या अख्या ऊरूजाः वि"ाः
28. बौ0 ध0 सू0
29. इपि0 इं0 उभयमागीव समायात सार्थ उष्ट्र उभयादपि उद्वै सार्थ प्रति।
30. कथा मंजरी
31. इपि इंडि0
रथयात्रायां आगतेन आत्म पाइलामध्याते वि"ोपक दतः।
आत्मीय घाणक तेलव मध्यात् पर्लिका द्वयं प्रदतः।।
32. महाभारत, वै"य इवकर प्रदा।
33. शुल्कस्थानेषु कु"ालाः सर्वपण्यविचक्षणाः।
कर्मरर्ध यथापण्यं ततो वि"ां नृपो हरेत्।।
34. पंचा"ाद्भाग आदेयो राज्ञा प"ाुटिरण्ययोः।
धाठयानमष्टमो भाग 'ाष्ठो द्वाद"ाएव वा।।
35. मद्यमांसोपजीव्यंच विक्रयं लोहचर्मणऽ।
अपूर्निणा न कर्त्तव्यं कृतपूर्व तु त्यजतो महान्।।

36. मनु0 आददी ताथ 'ाड्भागं द्रुमांसमधुसर्पिषाम्।
गन्धोषधिरसानां च पुष्पमूलपलस्य च।।
पत्र"ाकतृणानां च चर्मणां वैदलस्य च।
मृण्मयानां च भाण्डानां सर्वस्या"ममयस्य।।

37. राज्ञः प्रख्यातभाण्डानि प्रतिषिद्धानि यानि च। तानि निर्हरतो लाभात्सर्वहारं हरेन्नृपः।।

38. नान्यदन्येन संसृष्टरूपं विक्रयमर्हति।
च चासारं न च न्यूनं न दुरेण तिरोहितम्।।

39. बौ0 ध0 सू0 गवार्थे ब्राहमणार्थे वा वर्णानां वापि संकरे
गृहणीयाता विप्र वि"ौ शस्त्रधर्म व्यपेक्षया।

40. महाभारत, शान्ति पर्व,
उन्मर्यदे प्रवृते तु दस्युभिः संकरे कृते।
सर्वे वर्णा न दुष्येषुः शस्त्रवन्तो युधिष्ठिर।।

41. गौ0 ब0 सू0

42. कुल्लूक, मनु0 वै"यः स्ववृत्यागीवितम"ाक्नुवन्
शूद्रवृत्यापि द्विजाति शश्रूषयोच्छिष्ट भोजनादित्य कुर्वन्वर्तेत निस्तीर्णकार्याणि उच्छिष्टभक्षणादीनि।
निवर्तेत शूद्रवृतेः। शक्तिमान् लब्ध स्वतृत्ति"चेत् लब्धवृत्योर्विप्रक्षत्रियोरपि निवृतिः प्राय"ाचतपूर्विका शक्तिमानित्यनेनसूचिता।

43. अभिधान चिन्तामणि, शूद्रोऽन्त्यवर्णो वृषलः पद्यः पंजाजधन्यजः।

44. विस्तार के लिए देखिए, शर्मा शूद्राज इन ऐं"ाएंट इंडिया।

45. धुर्ये, कास्ट, क्लास ऐण्ड आकुपे"ान

46. मनु0

47. श्रद्दधानः शुभां विद्यामाददीतावरदिपि।
अन्त्यादपि परं धर्म स्त्रीरत्नं दुष्कुलादपि।।

48. मेघातिथि, प्राप्य ज्ञानं ब्राहण्मणात्क्ष त्रियाद्वै"याच्छूद्रादपि नीचादभीक्ष्णं श्रद्धातव्यं श्रद्दधानेन नित्यम्।
न श्रद्धिनं प्रति जन्ममृत्युवि"ोषता।

49. दीघ निकाय, मज्झिम निका, जातक, आदि।
50. विष्णु दानं दद्याच्धूद्रोऽपि पाक यज्ञैर्यजेतच।
51. वायु अमद्यप"य यः शूद्रो भवभक्तो जितेन्द्रियः।
52. मनु0 धर्मेप्सवस्तु धर्मज्ञाः सतां वृत्तमनुष्ठिताः। मन्त्रवज्यं न दुष्यन्ति प्र"ांसा प्राप्नुवन्ति च।।
53. याज्ञ0
54. ग्यारहवीं सदी का भारत
55. मेघातिनि, मनु0
56. कृत्य कल्पतरू, गृहस्थ0
57. बिहार सरकार कल्याण विभाग, पत्रांक
58. एस0 के गोयल, अपसिट
59. डिस्ट्रिक्ट सेन्सस हैन्डबुक रोहतास
60. रजिस्ट्रार वि"ोष विवाह निबंधन, कार्यालय, सासाराम, रोहतास।
61. एल्टिकर ए0एस0 द पोजि"ान आफ वुमेन इन हिन्दी सिविलाइजे"ान 1962
62. कपाडिया के0एम0 मैरेज एण्ड फैमली इन इण्डिया इडेसिन बाम्बे आक्सफोर्ड यूनिवरसिटी प्रेस 1985
63. मर्चेन्ट के0टी0 चेजिंग व्यूव आन मैरेज एण्ड फैमली मद्रास बी0जी0 पाउल एण्ड कम्पनी 1935
64. देसाई निरा वुमेन इन मार्डन इण्डिया बाम्बे वोरा एण्ड कम्पनी पब्लिसर प्रा0लि0 1956
65. हाटे सी0ए0 द सोसिओ इकोनामिक कन्डीसन आफ इजुकेटेड वुमेन इन बम्बई सिटी 1930
66. हाटे सी0ए0 द सोसल पोजि"ान आफ हिन्दू वुमेन बाम्बे 1946
67. देसाई जी0बी0 वुमेन इन मार्डन गुजराती लाइफ अनपब्लिस्ड मास्टरर्स थिसिस बाम्बे यूनिवसिटी आफ बाम्बे 1945

i=&if=dk;

1. दैनिक जागरण, वाराणसी।
2. आज, वाराणसी।
3. पायनियर, लखनऊ।
4. अमर उजाला, वाराणसी।
5. हिन्दुस्तान, वाराणसी।
6. प्रभात खबर राँची, पटना।
7. इण्डिया टुडे, नई दिल्ली।
8. टाइम्स आफ इण्डिया, नई दिल्ली।
9. उत्तर प्रदे"ा गजट।
10. शोध पत्रिकायें।
11. संसद के नये कानून अन्तर्जातीय विवाह के सम्बन्ध में।